शैक्षिक सत्र–2026–27
ग्रन्थ शिल्प
कक्षा–11

लिखित परीक्षा में एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों की एवं तीन घण्टे की अवधि का होगा। इसके अतिरिक्त 30 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा छः घण्टे की अवधि में एक दिन में सम्पन्न होगी। उत्तीर्ण होने के लिये लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षा में कम से कम क्रमशः 23+10=33 अंक होने चाहिये।

इकाई–1 **14 अंक**

(1) कागज बनाने का इतिहास, निर्माण (कुटीर उद्योग पद्धति), कच्चे सामान के उद्‌गम एवं उनके बाजार कच्चे माल से लुग्दी बनाते समय गंदगी एवं प्रदूषण होने वाले प्रभाव व उनके बचाव के उपाय। भारत में मशीन द्वारा कागज बनाने के विभिन्न केन्द्र। कागज और दफ्ती की आधुनिक माप प्रणाली जैसे ए शून्य, पवन आदि का परिचय।

(2) टाइप के विभिन्न अंग, टाइप के विभिन्न नाप, टाइप केस तथा उसकी व्यवस्था, टाइप का विवरण, प्रूफ सुधारना तथा उनके संकेत।

इकाई–2 **14 अंक**

(1) प्रयोग में आने वाली सामग्री कागज (सादा एवं डिजाइनदार), दफ्ती, जिल्दबन्दी का कपड़ा (सादा एवं डिजाइनरदार), फीता, आइलेट्स, प्रेस बटन आदि। नाप, उनकी वजन रंगों आदि सहित उनका सही विवरण एवं उनके संग्रह की विधियाँ। लेई, सरेस एवं चिपकाने के आधुनिक पदार्थ।

(2) सरेस, लेई आदि तैयार करना एवं उनसे उत्पन्न होने वाली दुर्गन्ध से बचाव।

इकाई–3 **14 अंक**

(1) यंत्र संरक्षण तथा उसके उचित प्रयोग एवं रख–रखाव

(क) फोल्डर, कैंची, चाकू, पटरी, बैकिंग हैमर, काटने की आरी, पंच, आईलेट लगाने का यंत्र, बटन लगाने के यंत्र आदि।

(ख) दफ्ती काटने का यंत्र, निपिंग प्रेस, स्टैन्डिंग एण्ड लाइन प्रेस।

(2) जिल्दसाजी व्यापारिक विधि एवं लैमिनेशन कार्य।

इकाई–4 **14 अंक**

1 प्रयोगार्थ सामग्री विभिन्न प्रकार के लिखने तथा आवरण पृष्ठ के कागज।

2 लेटर प्रेस, लीथो, ऑफसेट व स्क्रीन प्रिन्टिंग की छपाई।

इकाई–5 **14 अंक**

1 निगेटिव बनाने की विधियां, धातु की प्लेट पर मुद्रण सतह बनाना। कैमरे का सिद्धान्त, हाफटोन एवं तिरंगी छपाई का सिद्धान्त।

2 ब्लॉक बनाने में रासायनिक पदार्थों के प्रयोग करते समय होने वाले प्रदूषण का निवारण।

प्रयोगात्मक **30 अंक**

(1) सत्र कार्य

(अ) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक मॉडल बनाने का विवरण तैयार करना आवश्यक है। विवरण विषय अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा अवलोकित होगा।

(ब) बनाये जाने वाले मॉडलों की सूची का चार्ट बनाया जाय और कक्षाओं में टांगा जाय।

(स) प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा विषय से सम्बन्धित एक चार्ट भी तैयार करना आवश्यक है।

(2) मौखिक परीक्षा

विषय अध्यापक द्वारा कम से कम तीन प्रश्न प्रत्येक विद्यार्थी से पूछे जायेंगे।

प्रयोगात्मक कार्य के लिये

1 सरल तथा क्रमवत् अभ्यास विभिन्न आकारों के लिफाफे, राइटिंग पैड, पोर्टफोलियो, पत्रिकाओं के कवर, एक जुज का नोट बुक जिसका कवर सादा व दफ्ती लगा हो। कलण्डर, एलबम, ,खुली हुई फाइल तथा केस बनाना।

2 पुस्तक की मरम्मत करना जिसकी सिलाई केसिंग से ठीक हो।

3 पृष्ठ बनाने के लिये कागज की सीटों को सरल विधियों से मोड़ना।

4 एक सस्ती पुस्तक जिल्दसाजी टोप की सिलाई द्वारा करना तथा उसकी केस बाइन्डिंग करना। उस पुस्तक के ऊपर और नीचे रक्षक कागज लगाना। यह बाइन्डिंग निम्नलिखित क्रियाओं को करते हुए की जाये।

(1) पुरानी पुस्तक का एक–एक जुज अलग करना।

(2) फटे हुये जुजों को साफ करना तथा मरम्मत करना, फटे हुये कागजों को सुधारना।

(3) रक्षक कागजों को बनाना।

(4) टेप सिलाई करना।
(5) पीठ पर सरेस लगाना, उसके किनारे काटना, पीठ को गोल करना, ऊपर नीचे काटकर बराबर करना।
(6) केस बनाना।
(7) केस को पुस्तक पर चिपकाना।

टिप्पणी

(1) प्रत्येक सत्र में प्रत्येक परीक्षार्थियों द्वारा कम से कम दस मॉडल अवश्य बनाये जायें और इसके अतिरिक्त प्रत्येक को कम से कम दो उच्च कोटि के सुन्दर मॉडल अपनी इच्छानुसार बनाये जायें।
(2) सभी मॉडलों पर सजावट का कार्य किया जाये।

प्रयोगात्मक परीक्षा का अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

अधिकतम अंक 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक 10 अंक** **समय 06 घण्टे**

1 मॉडल बनाना।	03
2 सजावट।	03
3 प्रेस कार्य	
(अ) कम्पोजिंग।	03
(ब) प्रूफ रीडिंग कार्य।	03
4 मौखिक	03
5 फाइल रिकॉर्ड।	04
6 सत्रीय कार्य सतत् मूल्यांकन।	03
7 प्रोजेक्ट कार्य	08
	योग=30 अंक

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के वरिष्ठ विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।